Aaye Tumhare Davar He Ganraja Lyrics in Hindi and English

Aaye Tumhare Davar He Ganraja Lyrics in Hindi

आये तुम्हरे द्वार हे गणराजा,
सुन लो हमरी पुकार हे गणराजा,
राजा राजा राजा राजा,
आए तुम्हरे द्वार हे गणराजा….

मां गौरा के आंखो के तारे,
सब के बिगड़े काज सवारे,
सदियों से तेरी चली हुकूमत,
गिरी नहीं सरकार,
आए तुम्हरे द्वार हे गणराजा,
सुन लो हमरी पुकार हे गणराजा….

करते तुम मूसा पे सवारी,
तुम्हरी लीला सबसे न्यारी,
देने वाले तुम हो दाता,
नैया लगा दो पार,
आए तुम्हरे द्वार हे गणराजा,
सुन लो हमरी पुकार हे गणराजा…..

तुम्हारे द्वारे आए सवाली,
भर दो भगवन झोली खाली,
तीन लोक के तुम हो स्वामी,
देवों के सरदार,
आए तुम्हरे द्वार हे गणराजा,
सुन लो हमरी पुकार हे गणराजा….

Aaye Tumhare Davar He Ganraja Lyrics in English

Aaye tumhare dwar he Ganraja,
Sun lo hamari pukar he Ganraja,
Raja raja raja raja,
Aaye tumhare dwar he Ganraja…

Maa Gauri ke aankhon ke taare,
Sab ke bigde kaaj savare,
Sadiyon se teri chali hukumat,
Giri nahi sarkar,
Aaye tumhare dwar he Ganraja,
Sun lo hamari pukar he Ganraja…

Karte tum Moosa pe sawari,
Tumhari leela sabse nyaari,
Dene wale tum ho daata,

Naiya laga do paar,
Aaye tumhare dwar he Ganraja,
Sun lo hamari pukar he Ganraja…

Tumhare dwar aaye sawali,
Bhar do bhagwan jholi khaali,
Teen lok ke tum ho swami,
Devon ke sardaar,
Aaye tumhare dwar he Ganraja,
Sun lo hamari pukar he Ganraja…

About Aaye Tumhare Davar He Ganraja Bhajan in English

"Aaye Tumhare Dwar He Ganraja" is a deeply devotional bhajan dedicated to **Lord Ganesha**, the remover of obstacles and the bestower of prosperity. The bhajan celebrates Lord Ganesha's divine presence and power, invoking his blessings to remove all hardships and bring success and happiness to the devotees' lives. It speaks to the joy and reverence that followers feel when Lord Ganesha's grace enters their lives, symbolized by his arrival at the doorstep.

- **Invocation of Lord Ganesha's Presence:** The bhajan begins with the enthusiastic and reverent call to **Lord Ganesha** to enter the devotee's life and home: "Aaye tumhare dwar he Ganraja" (Come to our doorstep, O Lord Ganesha). This is a heartfelt invitation, expressing the devotee's desire for Lord Ganesha's divine presence to fill their life with peace and prosperity.
- **Praising Lord Ganesha's Divine Power:** The song praises **Lord Ganesha's** mighty influence, mentioning that his rule has lasted for centuries without ever faltering ("Sadiyon se teri chali hukumat, giri nahi sarkar"). This emphasizes the everlasting nature of his blessings and power, and how he is the ultimate protector who guides his devotees through every challenge.
- **Lord Ganesha's Divine Leela (Play):** The bhajan mentions how **Lord Ganesha's** actions are beyond comprehension and extraordinarily divine ("Tumhari leela sabse nyaari"). This speaks to the belief that every action of Lord Ganesha is an act of love and mercy, filled with divine wisdom.
- **Asking for Blessings and Guidance:** The devotees in the bhajan express their faith in Lord Ganesha's ability to remove all obstacles and provide solutions to their problems. "Naiya laga do paar" (Please help us cross the sea of life) is a call for Lord Ganesha to provide guidance and assistance, ensuring that the devotee successfully navigates through life's challenges.
- **The Role of Lord Ganesha as the Provider:** The bhajan recognizes **Lord Ganesha** as a giver of blessings, who provides his devotees with everything they need to thrive. The line "Bhar do bhagwan jholi khaali" (Fill our empty hands, O Lord) signifies the act of seeking divine blessings for prosperity, success, and fulfillment.
- **Lord Ganesha's Status as the Lord of All Worlds:** The bhajan concludes by recognizing **Lord Ganesha** as the supreme deity who is the master of all three worlds ("Teen lok ke tum ho swami") and the leader of all gods ("Devon ke sardaar"). This reinforces his significance in the spiritual and material realms, as the one who holds ultimate authority and control over everything.

"Aaye Tumhare Dwar He Ganraja" is a beautiful and energetic bhajan that expresses the devotion, longing, and trust that devotees have in **Lord Ganesha**. It highlights his power to bless, guide, and protect, making the bhajan a perfect prayer for those seeking his divine intervention in

their lives. The song reflects a deep belief that Lord Ganesha's presence brings peace, prosperity, and the removal of all obstacles, bringing a sense of divine assurance to the devotee's heart.

About Aaye Tumhare Davar He Ganraja Bhajan in Hindi

"आए तुम्हारे द्वार हे गणराजा" भजन के बारे में

"आए तुम्हारे द्वार हे गणराजा" एक अत्यंत श्रद्धापूर्वक भजन है, जो **भगवान गणेश** की महिमा और उनके प्रति भक्तों की गहरी भक्ति को व्यक्त करता है। यह भजन भगवान गणेश को अपने जीवन और घर में आने का आह्वान करता है, ताकि वह अपने आशीर्वाद से घर को पवित्र करें और जीवन में समृद्धि, शांति और सफलता लाएं। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और खुशहाली के दाता के रूप में पूजा जाता है, और यह भजन उनकी शक्ति और कृपा की महिमा का गान करता है।

- **भगवान गणेश का स्वागत :** भजन की शुरुआत में भक्त भगवान गणेश से यह प्रार्थना करते हैं कि वह उनके घर आएं और अपने आशीर्वाद से घर को संजीवनी प्रदान करें। "आए तुम्हारे द्वार हे गणराजा" (भगवान गणेश, आपके द्वार पर स्वागत है) यह वाक्य भक्तों के प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक है, जिसमें वे भगवान गणेश को अपने घर में स्वागत करने के लिए बुलाते हैं।
- **भगवान गणेश की शक्तिशाली उपस्थिति :** भजन में यह बात भी कही गई है कि भगवान गणेश का शासन (हुकूमत) सदीयों से चला आ रहा है और कभी भी कोई विघ्न उनके रास्ते में नहीं आया ("सदियों से तेरी चली हुकूमत, गिरी नहीं सरकार")। यह पंक्ति भगवान गणेश के अविनाशी और स्थिर रूप की पुष्टि करती है, जो अपने भक्तों की रक्षा करते हैं और उनके जीवन से सभी विघ्नों को दूर करते हैं।
- **भगवान गणेश की दिव्य लीला :** भजन में भगवान गणेश की लीला को सर्वोत्तम और अद्वितीय बताया गया है। "तुम्हारी लीला सबसे न्यारी" (भगवान गणेश की लीला अत्यंत अद्भुत और विशेष है) इस पंक्ति के माध्यम से भक्त भगवान गणेश की दिव्य क्रियाओं का गुणगान करते हैं।
- **भगवान गणेश से आशीर्वाद की प्रार्थना :** भक्त भगवान गणेश से यह प्रार्थना करते हैं कि वह उनके जीवन को सुखमय बनाएं, उन्हें अपनी कृपा से हर कष्ट से उबारें और हर काम में सफलता दें। "नैया लगा दो पार" (भगवान गणेश, हमारी नाव को पार लगा दो) यह प्रार्थना भक्तों की जीवन यात्रा में भगवान गणेश की मदद की चाहत को व्यक्त करती है।
- **भगवान गणेश का सर्वशक्तिमान रूप :** भजन में भगवान गणेश को तीनों लोकों का स्वामी और देवताओं के सरदार के रूप में पूजा गया है। "तीन लोक के तुम हो स्वामी, देवों के सरदार" यह पंक्ति भगवान गणेश की सर्वोच्च स्थिति को दर्शाती है, जो न केवल इस पृथ्वी पर बल्कि समस्त ब्रह्मांड में अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

"आए तुम्हारे द्वार हे गणराजा" भजन भगवान गणेश के प्रति असीम श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। यह भजन भगवान गणेश से उनके आशीर्वाद की प्रार्थना करता है, ताकि वह भक्तों के जीवन से सभी विघ्नों को हटा कर उन्हें सुख, समृद्धि और सफलता का आशीर्वाद दें। यह भजन गणेश जी के दिव्य रूप और उनकी महिमा को स्वीकार करते हुए उन्हें पूरे दिल से पूजा और सम्मान देने का एक सुंदर तरीका है।